Hindi Murli Quiz 16-04-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **रात को सारे दिन का ----------निकालो क्या किया? हमने भोजन देवताओं मिसल खाया? चलन कायदे सिर चली ? यज्ञ के प्रति ऑनेस्ट (ईमानदार) रहे? रोजाना अपना ---------नहीं सम्भालेंगे तो तुम्हारी उन्नति कभी नहीं होगी।**
[एक सटीक उत्तर से दोनों रिक्त स्थान भरें]

A. पोतामेल
B. जिम्मेवारी
C. व्यवहार

Q.2) **"नाज़ुक परिस्थितियों से घबराओ नहीं, उनसे पाठ पढ़कर स्वयं को --------बनाओ।"**
[एक सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. परिपक्व
B. हिम्मतदार
C. अनुभवी
D. जिम्मेदार

Q.3) **सही वाक्यों का चयन करें ---**

A. अपने को आत्मा समझ बाप को याद करें तब कुछ बुद्धि में बैठे।
B. शरीर का भान कम हो तब बातचीत करने में एवं चलन में सुधार हो।
C. बच्चे अनुभव से नहीं कहते कि बाप बिन्दी है और हम भी इतनी छोटी बिन्दी हैं।
D. सर्विसएबुल बच्चों को ही बाबा याद करते हैं, पद भी वही पा सकेंगे।
E. दैवीगुण वाले मनुष्यों को देवता, आसुरी गुण वाले को असुर कहा जाता है।
F. अन्तर्मुखी बच्चे ही अच्छी रीति समझ सकते हैं कि हम आत्मा बिन्दी हैं।

Q.4) **धारणा के अनुसार ही सही पॉइंट्स [बिन्दु] चयन करें ----**

A. चढ़ाई बहुत ऊंची है, इसलिए बहुत बहुत खबरदार होकर चलना है।
B. गांठ बांधनी है कि हमें लक्ष्मी नारायण जैसा बनना ही है।
C. अन्तर्मुखी बनकर शरीर के भान से परे रहने का अभ्यास करना है!
D. खान पान, चाल चलन सुधारना है सिर्फ अपने को खुश करके अलबेला नहीं होना है।
E. अहंकार में नहीं आना है। उल्टा कर्म करके सजायें नहीं तैयार करनी है।

Q.5) **आज के वरदान अनुसार सम्पन्न आत्माओं की विशेषताएं मैच करें --**

	Choice	Match
A	जो सर्व खजानों से सम्पन्न है ,	वही सदा सन्तुष्ट है।
B	आप बच्चे सम्पन्न बनो ,	तो सदा खुशी में नाचते रहेंगे।
C	जो स्वयं सम्पन्न होंगे ,	वे किसी से भी तंग नहीं होंगे।
D	संपन्न बच्चों को कोई भी ,	उलझन, समस्या या विघ्न खेल अनुभव होगा ।
E	निश्चयबुद्धि होने के कारण ,	सदा हर्षित और विजयी होंगे।

Q.6) **शब्दों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ---**

	Choice	Match
A	बच्चों को बापदादा दोनों इकट्ठा समझाते रहते हैं ,	दो इंजन मिले हैं क्योंकि चढ़ाई बड़ी है ना।
B	चढ़ते चढ़ते, माया का तूफान अर्थात अहंकार आ जाता है,	तो एकदम नीचे गिर पड़ते हैं।
C	मनुष्य तो देखो किस किस को पीस प्राइज़ देते रहते हैं,	परन्तु पीस स्थापित करने वाला तो एक बाप ही है ।
D	यह सारी दुनिया ही जलकर भस्म हो जायेगी,	ये सब होने के पहले पवित्र होना है।
E	माया नाक से पकड़ उल्टा काम कराती रहती है,	राजधानी में तो सब चाहिए ना।

Q.7) **बच्चों को बहुत अन्तर्मुख होना है, तब तुम किसको समझा सकेंगे। तुम्हारे पर फिर वह बलिहार जायेंगे और बहुत पछतायेंगे हम बाप के लिए इतनी गाली देते आये। सर्वव्यापी कहना या अपने को ईश्वर कहना, उन्हों के लिए सज़ा कम थोड़े ही है। जब समय आयेगा तो बाप उन सबसे हिसाब लेंगे। कयामत के समय सबका हिसाब किताब चुक्तू होता है ना।**

A. ◉ True

B. ○ False

Q.8) **शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --**

	Choice	Match
A	भक्ति मार्ग में कोई भी बाप को यथार्थ रीति नहीं पहचान सकते,	इसलिए उन्हों को नास्तिक कहा जाता है।
B	हमारी आत्मा को अभी नॉलेज मिल रही है,	कैसे आत्मा सतोप्रधान बनती है।
C	शरीर से अलग होते नहीं,	इसलिए देह अभिमान में आकर कुछ न कुछ कह देते हैं।
D	वारिस बनना	कोई मासी का घर थोड़ेही है।

Q.9) **थोड़ी ही सर्विस की तो अहंकार आ जाता है, गिर पड़ते हैं। समझते नहीं कि बाप है, साथ में धर्मराज भी है। ऐसा करने से हमारे ऊपर बहुत भारी दण्ड पड़ता है। इससे तो बाहर में रहें वह अच्छा है। बाप का बनकर और वर्सा लेना, मासी का घर नहीं हैं।**

A. ◉ True

B. ○ False

Q.10) **जो बच्चे बाप के साथ सच्चे, यज्ञ के प्रति ईमानदार हैं, कुछ भी छिपाते नहीं हैं, उन बच्चों प्रति बाप का बहुत रिगार्ड है। रिगार्ड होने के कारण बाप पुचकार दे उठाते रहते हैं। आलराउन्ड सर्विस पर भी भेज देते हैं। बच्चों को सच सुनाकर श्रीमत लेने की अक्ल होनी चाहिए।**

A. ○ False / ये वाक्य गलत है

B. ◉ True / ये वाक्य सही है